

खण्ड - ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखें : 1 × 8 = 8

- (i) प्रिय लेखक : प्रेमचंद
- (ii) हमारे पावन पर्व
- (iii) छात्र और राजनीति
- (iv) दहेज प्रथा : एक अभिशाप
- (v) प्राकृतिक आपदा
- (vi) राष्ट्रीय एकता

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करें : 2 × 4 = 8

- (i) "प्रत्येक पत्नी अपने पति को बहुत कुछ उसी दृष्टि से देखती है जिस दृष्टि से लता अपने वृक्ष को देखती होगी।"
- (ii) "कितने क्रूर समाज में रहे हैं हम, जहाँ श्रम का कोई मोल ही नहीं बल्कि निर्धनता को बरकरार रखने का एक षडयंत्र ही था यह सब।"
- (iii) जादू टूटता है इस उषा का अब सूर्योदय हो रहा है।
- (iv) "आशामयी लाल-लाल किरणों से अंधकार चीरता सा मित्र का स्वर्ग एक :"

3. महाविद्यालय परित्याग प्रमाण-पत्र हेतु अपने महाविद्यालय के प्रधानाचार्य के पास एक आवेदन पत्र लिखें। 1 × 5 = 5

अथवा

अपने मुहल्ले की सफाई के लिए पटना नगर निगम को एक शिकायती पत्र लिखिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के उत्तर दें : 5 × 2 = 10

- (i) गौतम बुद्ध ने आनंद से क्या कहा ?
- (ii) 'आर्ट ऑफ कनवरसेशन' क्या है ?
- (iii) लहना सिंह के गाँव में आया तुर्की मौलवी क्या कहता था ?
- (iv) दलविहीन लोकतंत्र और साम्यवाद में किस प्रकार का संबंध है ?
- (v) गायें किस ओर दौड़ पड़ीं ? सूरदास रचित प्रथम पद के आधार पर बतलाएँ।
- (vi) तुलसी, सीता से कैसी सहायता माँगते हैं ?

A

- (vii) छत्रसाल की तलवार कैसी है ? वर्णन करें ।
 (viii) चातकी किसके लिए तरसती है ?
 (ix) कवयित्री का 'खिलौना' क्या है ?
 (x) नर और नारी एक ही द्रव्य की ढली दो प्रतिमाएँ हैं । कैसे ?

3 × 5 = 15

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दें :

- (i) लहना सिंह का चरित्र-चित्रण करें ।
 (ii) 'रोज' कहानी के केंद्रीय संदेश की समीक्षा करें ।
 (iii) शिक्षा का क्या अर्थ है ? इसके कार्य एवं उपयोगिता को स्पष्ट करें ।
 (iv) पठित पदों के आधार पर तुलसी की भक्ति भावना का परिचय दीजिए ।
 (v) 'अधिनायक' शीर्षक कविता का भावार्थ लिखें ।
 (vi) 'गाँव का घर' शीर्षक कविता का केन्द्रीय भाव लिखें ।

6. निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक का संक्षेपण कीजिए :

1 × 4 = 4

- (i) मनुष्य का मन सदैव गतिशील रहता है । ऐसा होता है कि विरोधी शक्तियाँ उसे अपनी ओर खींचती हैं । जो मनुष्य मन की विपरीत परिस्थितियों में अपने को मजबूती से खड़ा नहीं रख सकते और उस धारा के साथ बह जाते हैं वे कभी अपने उद्देश्य को पूरा नहीं कर सकेंगे । उनके लिए तो यही कहना उचित होगा कि वे जीवित रहते हुए भी मुर्दे के समान हैं । मन की अवस्था तो सभी की पलटती है । जो व्यक्ति समय और परिस्थिति को समझ लेते हैं, वे कभी धोखा नहीं खा सकते और कठिनाइयों के बीच भी अपना रास्ता खोज लेते हैं । दूसरी ओर कुछ लोग भी मिलेंगे जो अपनी प्रतिकूल मनोदशा से त्रस्त होकर चुपचाप बैठ जाते हैं । उनका जीवन नारकीय बन जाता है ।
- (ii) जीवन में बहुत सी चीजें जरूरी हैं । मगर पानी सबसे ज्यादा जरूरी है । अन्न के बिना दो-चार दिनों तक रहना संभव है, मगर पानी के बिना एक दिन भी गुजारना कठिन है । ऐसी हालत में हमारे देश में पीने के पानी की समस्या का बने रहना घोर लज्जा का विषय है । हमारी सरकार को चाहिए कि वह इस ओर तत्काल ध्यान दे । ऐसा नहीं करने से हम भारतीयों का जीवन पशु से भी बदतर हो जाएगा । जल संरक्षण अति आवश्यक है ।

Q1(ii)-8Marks - हमारे पावन पर्व

मेरे प्रिय त्योहार / रक्षाबंधन

भारत देश में बहुत से त्योहार प्रसिद्ध हैं। अलग-अलग जाति, अलग-अलग धर्म में अलग-अलग तरीकों से त्योहार मनाया जाता है। खासकर त्योहार का मनोरंजन बच्चों को मिलता है। इन सभी त्योहारों में एक त्योहार है वो है रक्षाबंधन। रक्षाबंधन का अर्थ होता है रक्षा करने वाला बंधन मतलब धागा है। यह श्रवण माह के पूर्णिमा के पड़नेवाला हिंदू और जैन धर्म का प्रमुख त्योहार है। पहले के समय रक्षा के वचन को यह पर्व विभिन्न रिश्तों के अंतर्गत निभाया जाता था पर समय बीतने के साथ यह भाई बहन के बीच का प्यार बन गया है। इस पावन अवसर पर सभी बहने अपने भाइयों को राखी बाँधती हैं और भाई बदले में जीवन भर उनकी रक्षा करने का वचन देते हैं। और भाई अपने बहन को इस अवसर पर बहन पसंद का गीफ्ट भी देता है।

24. दलविहीन लोकतंत्र और साम्यवाद में किस प्रकार सम्बन्ध है? **Q4-2Marks**

उत्तर- दलविहीन लोकतंत्र की कल्पना सर्वोदय का सिद्धान्त है। उसकी मान्यता है ग्राम सभाओं के आधार पर दलविहीन प्रतिनिधित्व स्थापित हो सकता है। वह समाज निश्चित रूप से लोकतान्त्रिक होगा, साथ ही दलविहीन भी होगा।

9. प्रत्येक पत्नी अपने पति को बहुत कुछ उसी दृष्टि से

2(i) - 4Marks

देखती है जिस दृष्टि से लता अपने वृक्ष को देखती है। (m.i)

व्याख्या – प्रस्तुत पंक्तियाँ रामधारी सिंह दिनकर के निबंध 'अर्द्धनारीश्वर' से ली गई हैं। प्रस्तुत पंक्तियों में कवि यह कहना चाहता है कि जिस तरह वृक्ष के अधीन उसकी लताएँ फलती-फूलती हैं उसी तरह पत्नी भी पुरुषों के अधीन है। वह पुरुष के पराधीन है। इस कारण नारी का अस्तित्व ही संकट में पड़ गया। उसे सुख और दुःख, प्रतिष्ठा और अप्रतिष्ठा, यहाँ तक कि जीवन और मरण भी पुरुष की मर्जी पर हो गये। उनका सारा मूल्य इस बात पर ठहरा कि पुरुषों की इच्छा पर वह है। वृक्ष की लताएँ वृक्ष की चाहने पर ही अपना पर फैलाती हैं। उसी प्रकार, स्त्री ने भी अपने को आर्थिक पंगु मानकर पुरुष की अधीनता स्वीकार कर ली और यह कहने को विवश हो गई कि पुरुष के अस्तित्व के कारण ही मेरा अस्तित्व है। इस परवशता के कारण उसकी सहज दृष्टि भी दिन गयी जिससे वह समझती है कि वह नारी है। उसका अस्तित्व है। एक सोची-समझी साजिश के तहत पुरुषों द्वारा वह पंगु बना दी गई। इसलिए वह सोचती है कि मेरा पति मेरा कर्णाधार है, मेरी नैया वहीं पार करा सकता है, मेरा अस्तित्व उसके होने के कारण को लेकर है। वृक्ष लता को अपनी जड़ों से सींचकर उसे बढ़ने का मौका देता है और कभी दमन भी करता है। इसी तरह, एक पत्नी भी इसी दृष्टि से अपने पति को देखती है।

7. (क) प्रस्तुत गद्यांश सुप्रसिद्ध दलित आंदोलन के नामवर लेखक ओमप्रकाश वाल्मीकि रचित आत्मकथात्मक 'जूठन' शीर्षक से लिया गया है। प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से लेखक ने समाज की विद्रूपताओं पर कटाक्ष किया है। **Q2(ii)-4Marks**

लेखक के परिवार द्वारा श्रमसाध्य कर्म किये जाने के बावजूद दो जून की रोटी भी नसीब न होती थी। रोटी की बात कौन कहे जूठन नसीब होना भी कम मुश्किल न था। विद्यालय का हेडमास्टर चूहड़े के बेटे को विद्यालय में पढ़ाना नहीं चाहता है, उसका खानदानी काम ही उसके लिए है। चूहड़े का बेटा है लेखक, इसलिए पत्तलों का जूठनही उसका निवाला है। इस समाज में शोषण का तंत्र इतना मजबूत है कि शोषक बिना पैसे का काम करवाता है अर्थात् बेगार लेता है। श्रम साध्य के बदले मिलती हैं गालियाँ। लेखक अपनी आत्मकथा में समाज की क्रूरता को दिखाता है कि लेखक के गाँव में पशु मरता है तो उसे ले जाने का काम चूहड़ों का ही है। ये काम बिना मूल्य के। यह तंत्र का चक्र है जिसमें निर्धनता को बरकरार रखा जाए।

सेवा में,

स्वास्थ्य अधिकारी

पटना नगर निगम पटना

विषय : मुहल्ले की सफाई के सम्बन्ध में।

श्रीमान्,

3(ii)-5Marks

हम आपका ध्यान मुहल्ले की सफाई संबंधी अनियमितताओं की ओर खींचना चाहते हैं। गत पंद्रह दिनों से हमारे मुहल्ले की सफाई हेतु नगर निगम का कोई सफाई कर्मचारी काम पर नहीं आया है। फलस्वरूप, मुहल्ले का वातावरण अत्यंत दूषित तथा दुर्गन्धमय हो गया है। जगह-जगह कूड़ा-ककट का ढेर लगा हुआ है। नालियाँ बंद पड़ी हैं। नालियों का गंदा पानी गलियों में फैल गया है। मच्छड़ों का प्रकोप बढ़ गया है। हम मुहल्लेवासी प्रार्थना करते हैं कि आप यथा शीघ्र मुहल्ले का निरीक्षण कर सफाई की सुनिश्चित व्यवस्था करें।

आपकी ओर से उचित कार्रवाई के लिए हम मुहल्लेवासी आपके आधारी रहेंगे।

प्रार्थी

25-फरवरी-2018

कंकड़बाग कॉलोनी के निवासीगण

2. आर्ट ऑफ कन्वर्सेशन क्या है?

Q2-2Marks

उत्तर- आर्ट ऑफ कन्वर्सेशन बातचीत करने की एक उत्तम कला है जो यूरोप के लोगों में पाई जाती है। इस बातचीत की कला में वे लोग ऐसी चतुराई के साथ प्रसंग छोड़ जाते हैं जिनको सुनकर कान को अत्यंत सुख मिलता है।

15. छत्रसाल की तलवार कैसी है? वर्णन कीजिए।

Q7-2Marks

उत्तर- छत्रसाल की तलवार रौद्र रूप धारण कर रखी है। उनकी तलवार इतनी धारदार है कि हाथी के उपर पड़ी हुई लोहे की जालियों को काट रही है जिससे वह अंधकार को चीरकर निकालते हुए सूर्य के समान चमकती हुई प्रतीत हो रही है। उनकी तलवार शत्रुओं के गले में मृत्यु के समान लिपट रही है। शत्रुओं के सिरों की माला शिवाजी को अर्पित कर रही है।

5. चातकी किसके लिए तरसती है?

08-2Marks

उत्तर- चातकी एक पक्षी है जो स्वाती की बूँद के लिए तरसती है। वह केवल स्वाती का जल ग्रहण करती है। इसलिए वह स्वाती के जल की प्रतीक्षा सालों भर करती रहती है और जब स्वाति का बूँद आकाश से गिरता है तभी वह जलग्रहण करती है। इसी तरह दुःखी व्यक्ति सुख की आशा में चातकी की भाँति उम्मीद बाँधी रहते हैं। कवि के अनुसार एक न एक दिन उसके दुःखों का अंत होता है।

1. तुलसी सीता से कैसी सहायता माँगते है? **Q6. 2Marks**

उत्तर- तुलसी सीता से बचनो से ही सहायता माँगते है और माता सीता से कहते है कि यदि प्रभु मेरा नाम, दशा पूछे तो यह बता देना कि दीन-हीन निर्बल हूँ और उन्हीं का नाम लेकर अपना पेट भरता हूँ। इसिलिये वो माता सीता से आग्रह करते है। वैसे भी माता श्रीराम कि अर्धांगिनी है, तो वो उनसे खुलकर बात कर सकती है। लेकिन तुलसीदास माता से भी कहते है कि उचित अवसर देख कर ही उनके बारे में बात करे।

8. शिक्षा का क्या अर्थ है एवं इसके क्या कार्य हैं? स्पष्ट करे। **Q5(iii) - 5Marks**

उत्तर- शिक्षा का अर्थ है-सीखने की एक अनवरत प्रक्रिया। मनुष्य को पूरी तरह से भारहीन, स्वतंत्र और आत्मप्रज्ञानिर्भर बनाना ही शिक्षा का कार्य है, क्योंकि ऐसा होने पर ही मनुष्य में सच्चे सहयोग, सदभाव, प्रेम और करुणा, दायित्वबोध का सर्जनात्मक विकास संभव होगा। सभी शिक्षा हमारा विस्तार करती है, हमें गहरा बनाती है व्यापकता देती है। वह हमें सीमाओं और संकीर्णताओं से उबारती है। शिक्षा का ध्येय पेशेवर दक्षता, आजीविका और सहज कुछ कर्म कौशल नहीं है। उसका कार्य है हमारा संपूर्ण अन्वयन।

17. 'अधिनायक' शीर्षक कविता का केंद्रीय विषय क्या है? स्पष्ट करें। (m.i)

उत्तर— 'अधिनायक' कविता सारांश – प्रस्तुत कविता रघुवीर सहाय के काव्यसंग्रह 'आत्महत्या के विरुद्ध' से ली गई है। यह एक व्यंग्य कविता है। ऐसी व्यंग्य कविता हास्य नहीं, आजादी के बाद के सत्ताधारी वर्ग के प्रति रोषपूर्ण तीक्ष्ण कटाक्ष है। राष्ट्रीय गान में निहित 'अधिनायक' शब्द को लेकर यह व्यंग्यात्मक कटाक्ष है। स्वाधीनता प्राप्त होने के इतने वर्षों के बाद भी आम आदमी की हालत में कोई बदलाव नहीं आया। कविता में 'हरचरना' इसी आम आदमी का प्रतिनिधि है। वह एक स्कूल जानेवाला बदनवाल गरीब लड़का है जो अपनी आर्थिक, सामाजिक हालत में विपरीत औपचारिकतावश सरकारी स्कूल में पढ़ता है। राष्ट्रीय त्योहार के दिन झंडा फहराए जाने के जलसे में वह 'फटा सुथन्ना' पहने वहीं राष्ट्रगान दुहराता है। जिसमें इन लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी न जाने किस 'अधिनायक' का गुणगान किया गया है। सत्ताधारी वर्ग बदले हुए जनतांत्रिक संविधान से चलती इस व्यवस्था में भी राजसी ठाठ वाले भड़कीले रोब-दाब के साथ इस जलसे में शिरकत कर अपना गुणगान अधिनायक के रूप में करवाए जा रहा है। कविता में निहितार्थ ध्वनि यह है कि मानों इस सत्ताधारी वर्ग की प्रच्छन्न लालसा हो सचमुच अधिनायक अर्थात् तानाशाह बनने की।

22. 'गाँव का घर' कविता का भाव लिखें। (vvi)

उत्तर— कवि ज्ञानेंद्रपति द्वारा रचित कविता 'गाँव का घर' में कवि अपनी स्मृति के आधार पर गाँवों के घर तथा वहाँ के वातावरण का वर्णन कर रहा है। वे नवपूँजीवाद और आर्थिक उदारवाद के कारण ग्रामीण संस्कृति में जो बहुआयामी बदलाव आया है, जिससे संस्कृति को नष्ट हुआ देख दुखी होते हैं। इस कविता का केंद्रीय भाव ग्रामीण संस्कृति में आया बदलाव है।

Q5(vi)-5Marks

* Class 12th Hindi Sentup Exam Answer Key *

— Arts, Science & Commerce 2023 —

BY - BSEB CAREER (8920713254)

1	A	21	C	41	A	61	D	81	-C
2	-C	22	A	42	B	62	A	82	B
3	C	23	C	43	C	63	B	83	A
4	-A	24	C	44	B	64	D	84	B
5	-D	25	B	45	A	65	A	85	A
6	-A	26	A	46	C	66	D	86	-A
7	C	27	B	47	A	67	A	87	B
8	A	28	C	48	B	68	A	88	C
9	A	29	A	49	C	69	A	89	A
10	C	30	D	50	B	70	B	90	D
11	A	31	B	51	D	71	A	91	A
12	B	32	A	52	B	72	C	92	A
13	-D	33	A	53	C	73	A	93	D
14	A	34	C	54	A	74	D	94	D
15	C	35	A	55	A	75	A	95	B
16	C	36	A	56	D	76	A	96	A
17	B	37	A	57	A	77	A	97	A
18	A	38	A	58	A	78	A	98	A
19	B	39	A	59	B	79	A	99	A
20	A	40	B	60	B	80	B	100	C

Redox/Dir
8920713254